ant that I would like you to permit me to say by way of background that in Giridih which is a mica mining ground in Bihar when the Prime Minister went there a landing strip was created, three aeroplanes landed there, there was a rehersal for police line-up on the road one day before, the whole fire brigade was called for with all the fire brigade personnel and a water pipe line was raised. The people thought that a new mica mine had been discovered there. May I ask the hon. Home Minister why should they not—because we want to protect the Prime Minister, but it is effective protection, and effective protection is silence ; silence achieves many things as Ramana Maharshi proved in his life—make an expert study of the problem and provide guide-lines on this question so that security is provided and, at the same time, the British practice is not imitated ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : Sir, security is always provided by plain-clothes men. There is no doubt about it. But for crowd control some police arrangements have to be made and the arrangements have to be made in a manner that there is no mishap of any kind. If there is any deficiency in the arrangements, if some lives are lost, then again there would be a lot of criticism. To avoid all that these arrangements are made by the State Government and we have no control over it.

श्री लताफत अली खां : जनाब स्पीकर, मुझे इसकी लैंग्वेज पर एतराज है । इसकी लैंग्वेज ऐसी है कि इससे हरिजनों और आदिवासियों को बेइज्जती हो रही है ...

[جناب سپیکر مجھے اس کی لینگویج پر اعتراض ہے۔ اس کی لینگویج ایسی ہے کہ اس سے ہریجنوں اور آدیواسیوں کی بے عزتی ہو رہی ہے]

MR. SPEAKER : There cannot be any point of order during the Question Hour. If he so desires, I will give him an opportunity to ask a question. But I do not know how he can raise a question about the language of the question.

आदिवासी और हरिजनों को ईसाई बनाना

+

*1595. **श्री कंवर लाल गुप्त:**
श्री शि० ब० सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ईसाई पादरी भोले और निर्दोष आदिवासियों और हरिजनों को बड़ी संख्या में ईसाई बना रहे हैं ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस बारे में क्या कार्यवाही कर रही है कि ईसाई पादरी जनता के भोलेपन और निर्धनता का लाभ न उठा सकें ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) हरिजनों और आदिवासियों को ईसाई बनाने के समाचार हैं ।

(ख) विषय का सम्बन्ध प्रारम्भिक रूप स सार्वजनिक व्यवस्था से है जो भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अन्तर्गत राज्य विधान के क्षेत्राधिकार में आता है । धर्म परिवर्तन के लिये बल प्रयोग से, भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अन्तर्गत निपटा जा सकता है ।

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, मैं यह स्वीकार करता हूँ कि हमारे देश में हर एक धर्म को खुला प्रचार करने की आज्ञा होनी चाहिए और जैसी कि है भी लेकिन अभी जो हो रहा है वह यह है कि गरीब और जो बैकवर्ड ऐरिया है और खास तौर से जो सेंसटिव ऐरियाज हैं वहां पर कुछ विदेशी पादरी उन लोगों को लालच देकर गरीब लोगों का धर्म-परिवर्तन करते हैं । आज से दस वर्ष पहले केवल 10 करोड़ रुपया बाहर से आता था आज 66 करोड़ रुपया कैश और करीब 34 करोड़ रुपये का सामान आ रहा है अर्थात् कोई 100 करोड़ रुपया नकदी और सामान की सूरत में विदेशों से इन विदेशी पादरियों के काम के लिए आता है । इस तरह से आंकड़े अभी तक आप देखें तो जनरल इनक्रीज जो हमारी पापुलेशन की होती है उससे कई गुना पापुलेशन प्रपोर्शनेटोल क्रिश्चियंस की बढ़ती जा रही है । इस तरह की भयानक स्थिति का निर्माण हो रहा है । जैसा कि संविधान में हर एक को प्रचार करने

का हक हासिल है मुझे कोई एतराज नहीं है लेकिन जबरदस्ती, लालच या प्रलोभन के जरिए धर्म-परिवर्तन न हो। इसके लिए जैसे मध्य प्रदेश की सरकार ने कानून बनाया है कि अगर कोई वालेंयट्रली आकर कहे कि मैं ईसाई बनना चाहता हूँ तो वह बन जाय लेकिन ऐसा उसे डिप्टी कमिश्नर के सामने आकर कहना पड़ेगा तो उन्हीं लाइंस पर क्या केन्द्रीय सरकार भी कोई कानून बनाने के लिए तैयार है और दूसरे जो हरिजन और आदिवासियों को सुविधाएं हैं वह सुविधाएं कनवरशन होने के बाद न मिलें क्या इस तरह की व्यवस्था केन्द्रीय सरकार करने जा रही है ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN): The point is very clear. This power of legislation falls in the State List. So, even if we want to do it, we cannot do it. But it is not our desire to do it.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : Sir, the second part of my question has not been answered.

MR. SPEAKER : The Minister has said that it is in the State List and that they are not going to interfere with the powers of the States.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : When the harijans are coverted, they should not be given these facilities.

SHRI Y. B. CHAVAN : This is another suggestion which have been made which can be considered.

SHRI S. KANDAPPAN : It must be given. It must not be on religious grounds; it must be on economic grounds.

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा सवाल यह है कि जैसे गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के लिए भी कुछ कानून बना रखा है, बक्फ बोर्ड के लिए कानून बना रक्खा है, चैरीटेबुल इंस्टीट्यूशन के लिए आपने कानून बना रक्खा है। खास कर जो क्रिश्चिएन मिशनरीज का पैसा आता है और जिस तरीके से वह चर्चेज को चलाते हैं तो उसकी भी कोई व्यवस्था करने जा रहे हैं कि जिससे पैसा केवल धार्मिक कामों पर लगे, चैरिटेबल परपज के लिए लगे ? इसके लिए क्या आप कोई व्यवस्था कर रहे हैं ?

दूसरे यह जो फोरेन मिश्नरीज हैं उनकी तादाद कम हो और उनकी जगह भारतीय लोग जो क्रिश्चियंस हैं, यह उनकी जगह लें इसके लिए आप क्या कर रहे हैं ?

आखरी सवाल जो मैं पूछना चाहता हूँ वह यह कि जो बैकवर्ड ऐरियाज हैं, ट्राईबल एरियाज हैं उनमें ज्यादा अस्पताल और शिक्षा का प्रबन्ध हो उसके लिए सरकार क्या कर रही है ?

SHRI Y. B. CHAVAN : The first point is about the money that they get and how they are subjected to some legal processes etc. I think these are part of the internal management of the different missions. They have got their own constitution and they are subject to Charitable Trusts Act etc. So, I do not think it is necessary to have any special legislation on the lines of the Gurdwara Prabandhak Committee Act. As far as the Indianisation of the missionaries is concerned, we are following that policy. But that will have to be done with a liberal attitude. In the case of those categories of services where we are in a position to find local people, certainly we can do that. But my own personal experience is—this Government has nothing to do with the matter—in certain categories of cases we are not able to get local people. Take leprosy for example. We find it difficult to get Indians who are willing to go and serve them. In such matters, we will have to go by the objective of the mission concerned.

श्री बं०ना० कुरील : एक ओर हिन्दू धर्म के गुरु और आचार्य हरिजनों और आदिवासियों से नफरत करते हैं, छुआछूत मानते हैं, उनके पास खड़े भी नहीं होते हैं...

कुछ माननीय सदस्य : बिल्कुल गलत बात है।

श्री बै० ना० कुरील : दूसरी तरफ जो ईसाई धर्म को मानने वाले हैं, जो गुरु हैं वे उनसे प्यार से बात करते हैं, उनको शिक्षित बनाने में मदद करते हैं, उनको हैवान से इंसान बनाने में मदद करते हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि किस तरह के गुरुओं को श्रेय इस बात का प्राप्त है कि इतनी ज्यादा तादाद में धर्म परिवर्तन होता है ?

SHRI Y. B. CHAVAN : As for those people who consider untouchability as sacred, we have expressed our view in the matter. We have protested against it and disapproved all such things.

SHORT NOTICE QUESTION

भारत के स्वर्गीय राष्ट्रपति डा० जाकिर हुसैन की मृत्यु के समाचार के प्रसारण में आकाशवाणी द्वारा विलम्ब

+

SNQ. 23. **श्री रामावतार शास्त्री** :
श्री भोगेन्द्र झा:
श्री पी० विश्वम्भरन :
श्री एस० एम० कृष्ण :
श्री हेम बरुआ :

क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत के स्वर्गीय राष्ट्रपति डा० जाकिर हुसैन की मृत्यु 3 मई, 1969 को 11 बज कर 20 मिनट (म०पू०) पर हुई थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी के दिल्ली केन्द्र ने उनकी मृत्यु का समाचार दो घन्टे बाद 1 बज कर 20 मिनट (म०प०) पर प्रसारित किया था;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ;

(घ) क्या सरकार ने इस विलम्ब के लिए उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही की है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या कार्यवाही की गई है ; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND COMMUNICATIONS (SHRI SATYA NARAYAN SINHA) : (a) No, Sir. It would not be correct to say that the late President, Dr. Zakir Hussain, died at 11.20 A.M. Doctors' efforts at resuscitation continued till about 11.50 A.M. and so long as these efforts continued, death could not be taken for granted.

(b) The news was broadcast by All India Radio at 1.20 P.M.

(c) There was no delay on the part of All India Radio. The news was broadcast immediately after it had been officially announced by Rashtrapati Bhavan sources.

(d) to (f). Do not arise.

श्री रामावतार शास्त्री : कल यह सवाल यहां और राज्य सभा में भी उठा था। लेकिन इस तरह का उत्तर नहीं दिया गया था। कल यह कहा गया था कि कुछ कायदे कानून हैं जिनके अनुसार चला जाता है। यह भी कहा गया था कि जब तक सरकारी तौर पर कोई घोषणा नहीं हो जाती है तब तक आकाशवाणी से कोई किसी तरह का एलान करना सम्भव नही है। लेकिन आज जो बात कही जा रही है इससे यह मालूम होता है कि राष्ट्रपति की मृत्यु जिसके बारे में दुनियां को और हिन्दुस्तान की जनता को मालूम हो गया था कि ग्यारह बज कर बीस मिनट पर हुई थी बाथ रूम में, उसका एनाउन्समेंट एक बजकर बीस मिनट पर किया गया। उनको वहां से लाकर डाक्टर लोग कोशिश कर रहे थे कि जिन्दा किया जाए लेकिन तब तक वह मर चुके थे। यह कहा जा रहा है कि ग्यारह बज कर बीस मिनट पर उनकी मृत्यु नहीं हुई लेकिन बाद में जाकर उनकी मृत्यु हुई। दो-दो तरह के बयान अखबारों में छपे हैं और इस सदन के अन्दर भी और दूसरे सदन के अन्दर भी आये हैं। इन सब के आधार पर मैं जानना चाहता हूं कि आकाशवाणी के अधिकारियों को राष्ट्रपति की दुखद मृत्यु की सूचना क्या सरकारी घोषणा